Seventeenth Loksabha

>

Title: Need to declare Bundelkhand as a Natural Farm region-laid.

कुँवर पुष्पेन्द्र सिंह चन्देल (हमीरपुर): बुंदेलखंड की सामाजिक और आर्थिक स्थिति तथा कृषि के तरीकों और गौधन की उपलब्धता को देखते हुए मेरे द्वारा पूर्व में भी बुंदेलखंड को प्राकृतिक कृषि क्षेत्र घोषित करने की मांग की जाती रही है | अभी हाल में सरकार द्वारा जीरो बजट आधारित प्राकृतिक कृषि पर राष्ट्रीय शिखर सम्मेलन किया गया और कृषि क्षेत्र में सहकारिता के विकास के लिए हर संभव प्रयास किए जा रहे हैं |

बुंदेलखंड में वर्षों से पारंपरिक तरीके से ही कृषि की जा रही है और यहाँ पर देसी गौवंश भी बहुतायत में है । उर्वरकों का कम प्रयोग और देसी गौवंश के उत्पादों का प्रयोग जो कुछ समय पहले पिछडेपन का संकेत था आज वही बुंदेलखंड की अपूर्व विकास संभावनों का संकेतक है | जरुरत है केवल पुनरावलोकन की | केंद्र सरकार द्वारा कृषि और किसानों के विकास के लिए किए जा प्रयासों की साक्षात प्रयोगस्थली बुन्देलखण्ड है और यहाँ पर किए प्रयास पूरे भारत के लिए माडल सिद्ध हो सकते है |

अत: मै सरकार से मांग करता हूँ कि बुंदेलखंड में खेती और गौवंश के समुचित संरक्षण के लिए बुंदेलखंड क्षेत्र को प्राकृतिक कृषि क्षेत्र घोषित किया जाए |